

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

चिकित्सा कौशल के साथ मानवीय संवेदना का संगम, डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर का स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय योगदान

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल बीमारियों का उपचार करना नहीं, बल्कि मरीज की समस्याओं को समझना, उसे सही जानकारी देना और सम्मानजनक व्यवहार के साथ उपचार उपलब्ध कराना भी है। इसी दृष्टिकोण के साथ डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर दो दशकों से अधिक समय से चिकित्सा क्षेत्र में योगदान दे रही हैं। स्त्रीरोग चिकित्सा, कॉस्मेटोलॉजी और सामाजिक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े उनके कार्यों में मरीजों की जरूरतों को समझने और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों से लेकर त्वचा संबंधी समस्याओं और जरूरतमंद समुदायों तक चिकित्सा सहायता पहुंचाने के प्रयासों तक, उनका कार्य स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न पहलुओं को समाहित करता है। चिकित्सा ज्ञान, आधुनिक उपचार तकनीकों और मानवीय संवेदना के समन्वय के माध्यम से वह मरीजों को मार्गदर्शन देने की दिशा में कार्यरत हैं।

स्त्रीरोग चिकित्सा और कॉस्मेटोलॉजी में विशेषज्ञ प्रशिक्षण

डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर के व्यावसायिक कार्य का एक महत्वपूर्ण पहलू स्त्रीरोग चिकित्सा और कॉस्मेटोलॉजी से संबंधित प्रशिक्षण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने DGO, PGDCC और एस्थेटिक लेजर से संबंधित फेलोशिप का अध्ययन किया है।

स्त्रीरोग चिकित्सा महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, मासिक धर्म से संबंधित समस्याओं और जीवन के विभिन्न चरणों में होने वाले स्वास्थ्य परिवर्तनों की देखभाल से जुड़ी है। वहीं, कॉस्मेटोलॉजी में त्वचा, बालों और सौंदर्य से संबंधित कुछ समस्याओं के लिए चिकित्सा प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है।

इन दोनों क्षेत्रों में कार्य करते हुए डॉ. ताम्रकर महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और त्वचा से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान देती हैं। मरीज की स्थिति का उचित आकलन, उपचार के विकल्पों की जानकारी और संभावित लाभ एवं जोखिमों पर चर्चा किसी भी चिकित्सा सेवा के महत्वपूर्ण हिस्से हैं।

आरोग्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल मे मरीज केंद्रित दृष्टिकोण

ठाणे जिले के कलवा क्षेत्र में स्थित आरोग्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की सह-संस्थापक के रूप में डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर ने स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था विकसित करने में योगदान दिया है।

उनके चिकित्सा दृष्टिकोण में मरीज की समस्या को ध्यान से सुनना, उसकी जरूरतों को समझना और उपचार के बारे में स्पष्ट जानकारी देना महत्वपूर्ण माना जाता है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के दौरान मरीजों को केवल चिकित्सा प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि संवाद, भरोसे और उचित मार्गदर्शन की भी आवश्यकता होती है।

मरीज केंद्रित चिकित्सा पद्धति में व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति, व्यक्तिगत परिस्थितियों और उपचार संबंधी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखना आवश्यक है। उपचार के विकल्पों, उनकी सीमाओं और संभावित जोखिमों की जानकारी मिलने से मरीज अपने डॉक्टर के साथ चर्चा करके अधिक सूचित निर्णय ले सकते हैं।

आरोग्य जीवन फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक सेवा

चिकित्सा कार्य के साथ सामाजिक जिम्मेदारी को महत्व देते हुए डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर ने आरोग्य जीवन फाउंडेशन की स्थापना की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह इस संस्था की निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं।

फाउंडेशन के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, डायलिसिस के लिए सहायता, विशेषज्ञ डॉक्टरों के परामर्श और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों जैसे उपक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन पहलों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य संबंधी सहायता पहुंचाना और उपचार से जुड़ी कठिनाइयों को कम करने में योगदान देना है।

स्वास्थ्य जांच शिविर लोगों को अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में शुरुआती जानकारी प्राप्त करने का अवसर दे सकते हैं। इसी प्रकार, दीर्घकालिक बीमारियों से प्रभावित मरीजों के लिए उपचार संबंधी सहायता महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, किसी भी बीमारी के निदान और उपचार के लिए योग्य चिकित्सक की सलाह और आवश्यक जांच अनिवार्य हैं।

सामाजिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता विशेष रूप से उन परिवारों के लिए उपयोगी हो सकती है, जिन्हें नियमित चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में आर्थिक या अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य और PCOD/PCOS प्रबंधन पर ध्यान

डॉ. सुचेता ताम्रकर के स्त्रीरोग एवं कॉस्मेटोलॉजी क्लिनिक में महिलाओं के स्वास्थ्य, PCOD/PCOS प्रबंधन और जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन की सेवाएं उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है।

PCOS यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है, जो मासिक धर्म चक्र, हार्मोनल संतुलन और कुछ महिलाओं में चयापचय संबंधी स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इसके लक्षण और प्रभाव हर महिला में अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए सही मूल्यांकन और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार उपचार योजना महत्वपूर्ण होती है।

महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देना, लक्षणों को नजरअंदाज न करने के लिए प्रोत्साहित करना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने के महत्व को समझाना महिला स्वास्थ्य जागरूकता का अहम हिस्सा है।

त्वचा और बालों से संबंधित आधुनिक सेवाएं

क्लिनिक में त्वचा और बालों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के लिए भी सेवाएं उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। इनमें बालों का झड़ना, मुंहासे, त्वचा पर दाग और त्वचा की देखभाल से संबंधित समस्याओं के लिए परामर्श शामिल है।

उपलब्ध सेवाओं में PRP और GFC थेरेपी, लेजर हेयर रिडक्शन, हाइड्राफेशियल, केमिकल पील्स, माइक्रोनीडलिंग, स्किन टाइटनिंग, कार्बन लेजर ट्रीटमेंट और टैटू हटाने की प्रक्रियाएं शामिल बताई गई हैं।

इनमें से प्रत्येक प्रक्रिया की उपयुक्तता व्यक्ति की त्वचा, स्वास्थ्य स्थिति और उपचार के उद्देश्य पर निर्भर करती है। किसी भी प्रक्रिया से पहले योग्य चिकित्सक से परामर्श, संभावित दुष्प्रभावों की जानकारी और अपेक्षित परिणामों की वास्तविक समझ जरूरी है। उपचार का परिणाम हर व्यक्ति में समान हो, यह आवश्यक नहीं है।

चिकित्सा सेवा में संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी

डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर की यात्रा चिकित्सा सेवाओं, महिला स्वास्थ्य और सामाजिक सहभागिता के बीच संबंध को सामने लाती है। अस्पताल में मरीजों की देखभाल से लेकर फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी पहलों तक, उनके कार्य का उद्देश्य लोगों की जरूरतों के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराने पर केंद्रित है।

स्वास्थ्य सेवा में तकनीक और चिकित्सा ज्ञान जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही अहम भूमिका संवेदनशील संवाद, मरीज की निजता और सम्मानजनक व्यवहार की भी होती है। महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने के प्रयास समाज में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के प्रसार में योगदान दे सकते हैं।

संपर्क विवरण — डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर

- मोबाइल: 9833618725
- ई-मेल: suchetatomrkar1983@gmail.com
- वेबसाइट: <https://www.drsuchetasclinic.com/>

डॉ. सुचेता विनोद ताम्रकर, एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जो महिलाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक सहभागिता के बीच संबंध को सामने लाती हैं। अस्पताल में मरीजों की देखभाल से लेकर फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी पहलों तक, उनके कार्य का उद्देश्य लोगों की जरूरतों के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराने पर केंद्रित है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.